This question paper contains 8+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

7696

B.Com./III **E–I**

Paper XV—HINDI

मानविकी वर्ग—वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(हिंदी भाषा, साहित्य एवं साहित्येतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक (NCWEB)/SOL के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप से अधिक होंगे ।

P.T.O.

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के
पाते हैं जग से प्रशस्ति अपना करतब दिखला के।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींचकर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ।

अथवा

जब तक भोगी भूप प्रजाओं के नेता कहलायेंगे
ज्ञान, त्याग, तप नहीं श्रेष्ठता का जब तक पद पायेंगे
अशन-वसन से हीन, दीनता में जीवन धरनेवाले ।
सहकर भी अपमान मनुजता की चिन्ता करनेवाले ···· 6

(ख) उन्हें खुद लगने लगा कि राजनीति गुंडा गर्दी के निकट चली गयी है । जिस देश में देव-तुल्य राजनेताओं की परम्परा रही हो, वहाँ राजनीति का ऐसा पतन ! कभी-कभी मन में एकदम वैराग्य जाग जाता है, पर राजनीति में जहाँ तक अपने को धँसा लिया है, वहाँ से निकल भी तो नहीं सकते । निकलने का सीधा अर्थ है—हार मान लेना । और जीवन में एक यही तो बात है जिसे वे कभी नहीं मान सकते ।

अथवा

तुम शिल्पी विशु के पुत्र हो, धर्मा ! कोणार्क और किसी के स्पर्श से कैसे जग सकता था ? जैसे मरुस्थल में कहीं निर्झरिणी सहसा गायब हो जाने पर भी अन्यत्र बह निकलती है, वैसे ही मेरी भटकी

हुई प्रतिभा तुम्हारे मन में विकस उठी धर्मा ! सैकड़ों, हजारों बरसों तक कोणार्क के उन्नत शिखर को देखकर लोग कहेंगे कि यह विशु और उसके बेटे की कला की सर्वोत्कृष्ट कृति है । 6

2. 'रश्मिरथी' के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिये ।

अथवा

कर्ण के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। 8

3. ''महाभोज एक राजनीतिक उपन्यास है'', स्पष्ट कीजिये ।

अथवा

सुकुल बाबू की चारित्रिक विशेषताओं का आकलन कीजिए। 8

4. नाटक के तत्त्वों के आधार पर कोणार्क की समीक्षा कीजिये।

अथवा

विशु का चरित्र-चित्रण कीजिए । 8

5. 'अतीत के चलचित्र' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) लेखिका के मन में कल्लू का कौनसा रूप छाया हुआ था ?

(*ii*) लछमा की जीवनगाथा उसके आँसुओं से भीग-भीगकर भारी क्यों हो गई थी ?

(*iii*) बालिका महादेवी के जीवन में रामा का क्या महत्त्व था ?

(*iv*) बदलू कुम्हार के मन में कलाकार बनने की इच्छा कैसे जागी ?

अथवा

'क्या भूलूँ क्या याद करूँ; के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) ब्राह्मण ने रायसाहब के प्रति किस प्रकार कृतज्ञता ज्ञापित की ?

(*ii*) गणेश प्रसाद की प्रसिद्धि का क्या कारण था ?

(*iii*) बच्चनजी के बाबा भोलानाथ की मृत्यु कैसे हुई?

(*iv*) बच्चनजी ने उर्दू छोड़कर हिंदी पढ़ने का निर्णय क्यों लिया ? 8

6. (क) कृष्ण-काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

अथवा

प्रगतिशील कविता की मुख्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । 10

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(*i*) कबीरदास

(*ii*) जयशंकर प्रसाद

(*iii*) रामचरितमानस

(*iv*) प्रियप्रवास ।

7. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए :

(*i*) परिश्रम सफलता की कुँजी है ।

(*ii*) समय सबसे बड़ा धन है ।

(*iii*) पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं । 4

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारी हिंदी सजीव भाषा है । इसी कारण इसने अरबी, फ़ारसी आदि के सम्पर्क में आकर इनके शब्द तो

ग्रहण किए ही हैं, अब अंग्रेजी के भी शब्द ग्रहण करती जा रही है । इसे दोष नहीं, गुण ही समझना चाहिए, क्योंकि अपनी इस ग्रहण-शक्ति से हिंदी अपनी वृद्धि कर रही है, ह्रास नहीं । ज्यों-ज्यों इसका प्रचार बढ़ेगा, त्यों-त्यों इसमें नये शब्दों का आगमन होता जाएगा । क्या भाषा की विशुद्धता के किसी भी पक्षपाती में यह शक्ति है कि वह विभिन्न जातियों के पारस्परिक सम्बंध को न होने दे अथवा भाषाओं की सम्मिश्रण-प्रक्रिया में रुकावट पैदा कर दे ? यह कभी संभव नहीं । हमें तो केवल इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस सम्मिश्रण के कारण हमारी भाषा, अपने स्वरूप को तो नहीं नष्ट कर रही, कहीं अन्य

भाषाओं के बेमेल शब्द-मिश्रण से अपना रूप तो विकृत नहीं कर रही ।

(*i*) हिंदी भाषा की वह कौनसी विशेषता है, जिसे लेखक ने गुण माना है, दोष नहीं ?

(*ii*) भाषा की विशुद्धता से क्या तात्पर्य है ?

(*iii*) हिंदी में नये शब्दों को अपनाते समय किस बात को ध्यान में रखना चाहिए ?

अथवा

हिंदी में अनुवाद कीजिए :

We belong to a great country, a country that is not only physically but in other things also far more

important. If we are to be worthy of our country, we must have big minds and big hearts. For small men can not face big issues or accomplish big tasks. Let each one of us do one's duty to one's country and one's people and dwell too much on the duty of others. Some people get into the habit of criticizing others without doing any thing themselves. Nothing good can come of that kind of criticism. Remember men of character make a nation great and strong. 6

(ग) अपने जीवन की किसी अविस्मरणीय यात्रा का वर्णन कीजिये । 6

अथवा

अपने क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या को लेकर नगर-निगम के अधिकारी के नाम पत्र लिखिए । 6